खबर संक्षेप

नवरात्र में गरबा महोत्सव 2025 का आयोजन

दमुआ। इस नवरात्र में दमुआ शहर में गरबा महोत्सव 2025 का आयोजन तृषा मैरिज लॉन पुराना दमुआ में दिनांक 2 अप्रैल 3 और 4 अप्रैल को गरबे का आयोजन किया जा रहा है करवा चौथ की मां आदिशक्ति जगत जननी मां दुर्गा की उपासना आराधना का पर्व है नवरात्रि हमारी आस्था का केंद्र है ऐसी भावना ऐसे पावन अवसर पर शांति और सौहार्द का वातावरण बना रहे इस चैत्र नवरात्र में दमुआ शहर में पहली बार गरबा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है नवरात्र के पावन पर्व पर मां दुर्गा के अपने नौ स्वरूपों भक्तों को अपना आशीर्वाद प्रदान करती है भक्तों का कल्याण करती है नवरात्र में सभी मंदिरों में सुबह से ही भक्तों का डाटा लगा रहता है पूरे 9 दिन माता की उपासना की जाती है इसी पावन पर्व पर आयोजित गर्व महोत्सव 2025 में सभी भक्तजनों एवं मातृशक्ति पुरुष महिला युवतियों युवाओं बालक बालिकाएं सभी अपने परिवार के साथ माता के दरबार मर्यादा पूर्वक अपनी हाजिरी लगाएं।

चाँद के मंदरिया, साजपानी, कौआखेड़ा में नहीं थम रहा रेत का अवैध खनन

नदी नालों से निकाली जा रही अवैध रेत

हरिभूमि न्यूज ⏭ चौरई

पर्यावरण संरक्षण का दावा करने वाले प्रशासनिक अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर्यावरण को बचाने में निष्क्रिय नजर आ रही है। पेंच टाइगर रिजर्व से लगे राजस्व और बफर क्षेत्र की नदी-नालों से स्थानीय रेत कारोबारी चोरी छिपे धड़ल्ले से अवैध रेत खनन कर रहे हैं। इसके बावजूद चौरई अनुविभाग का राजस्व अमला अंजान बना हुआ है। वहीं वन अधिकारियों का कहना है कि, जंगल के आसपास अवैध खनन होना संभव नहीं है। यदि राजस्व क्षेत्र में रेत या मुरम निकाली जा रही है, तो इस पर कार्रवाई की जिम्मेदारी संबंधित विभाग की बनती है।जानकारी के मुताबिक नदी नालों से हो रहे रेत के अवैध उत्खनन को लेकर स्थानीय रेत कारोबारियों व ग्रामीणों के बीच टक्कराव की स्थिति आए दिन बन रही है।हालाकि राजस्व व खनिज विभाग के अधिकारी अवैध रेत खनन से इंकार करते हुए अलग-अलग तर्क देकर अपना बचाव करते नजर आ रहे हैं।

आसपास के क्षेत्र में हो रही रेत की सप्लाई

क्षेत्र के लोगों का कहना है कि, स्थानीय ग्रामीणों को प्रधानमंत्री आवास बनाने रेत के लिए तरसना व भटकना पड़ रहा है।वहीं क्षेत्र में सक्रिय अवैध रेत के कारोबारी खनन कर ट्रेक्टर संचालकों को ट्रेक्टर ट्राली से सप्लाई की जा रही है।शिकायत के बावजूद राजस्व, खनिज और वन विभाग द्वारा कार्रवाई नहीं की जा रही है। हैरानी की बात यह है कि, क्षेत्र में चल रहे रेत के अवैध खनन से राजस्व, वन विभाग और खनिज अमला अनजान बने हुए हैं।अवैध खनन को रोकने की बजाए विभागीय अधिकारी एक-दूसरे पर जिम्मेदारियां थोप रहे हैं। अवैध खनन को रोकने की बजाए राजस्व अमला कार्रवाई के लिए खनिज विभाग को सूचना देकर अपने कर्तव्य से मुक्त हो जाता है।वहीं वन विभाग द्वारा राजस्व क्षेत्र में कार्रवाई का अधिकार नहीं होने के नियम बता रहा है। वन अधिकारियों का कहना है कि, यदि बफर क्षेत्र से रेत का अवैध उत्खनन नहीं किया गया है। खनिज विभाग की माने तो क्षेत्र में कहीं अवैध उत्खनन नहीं हो रहा है।प्रधानमंत्री आवास व अन्य घरेलू कामों के लिए कभी कभार ग्रामीण आसपास के नालों से रेत निकाल लेते हैं।

मंदिर में चोरी करने वाले आरोपियों से 11 हजार 800 जप्त

पुलिस ने नाबालिग सहित दो आरोपियों को धरदबोचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

पुलिस ने मंदिर से पेटी व नगदी चोरी करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक छिदंवाडा अजय पाण्डेय एवं अति. पुलिस अधीक्षक आयुष गुप्ता द्वारा संपत्ति संबंधी अपराधो के संबंध में विशेष दिशा निर्देश दिये गये हैं।

इसी क्रम दिनांक 07.02.2025 को फरियादी रुपेश पिता आशीष कुमार भूषण उम्र 40 साल निवासी ग्राम झुर्रे (रावनवाड़ा) ने रिपोर्ट दर्ज किया कि प्रतिदिन की तरह पत्नी के साथ मंदिर की साफ सफाई व पूजा करने मंदिर में आकर देखने पर हनुमान मंदिर के मेनगेट का ताला टूटा पड़ा था, दानपेटी मंदिर में नही थी व हनुमान मंदिर के पीछे दुर्गा माता मंदिर जाकर देखने पर वहां का भी ताला टूटा हुआ था व कांच की दानपेटी में चिल्हर पैसे नही थे, दिनांक 06.02.2025 की दरम्यान रात को कोई अज्ञात व्यक्तियो ने हनुमान मंदिर की दानपेटी व दुर्गा मंदिर की दानपेटी में रखे पैसो को चोरी कर ले गया, रिपोर्ट पर अप. क्र. 34/25 धारा 305(ए), 341(4) बी.एन.एस. पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

विवेचना के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) जितेन्द्र जाट के नेतृत्व में थाना प्रभारी रावनवाड़ा ईश्वरी पटले द्वारा पुलिस टीम का गठन किया गया, घटना स्थल के आसपास के सीसीटीव्ही कैमरो को बारीकी से खंगाला गया, मुखबिर तंत्र सक्रिय कर आरोपीगण अंशुलबन उर्फ अंशुल पिता शंकर धुर्वे उम्र 18 साल निवासी आनंद नगर छिन्दवाड़ा एवं उसका साथी विधि विरुद्ध बालक को दबिश / घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया।

आरोपीगणों से घटना के संबंध में बारिकी से पूछताछ करने पर घटना (चोरी) करना स्वीकार किये, आरोपीगणों से चोरी हुई संपत्ति नगदी रकम 11,800/- (ग्यारह हजार आठ सौ रुपये) बरामद किया गया । आरोपियो को माननीय न्यायालय पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

बरामद संपत्ति
नगदी 11,800/- (ग्यारह हजार आठ सौ रुपये)

गिरफ्तार आरोपीगण
अंशुलबन उर्फ अंशुल पिता शंकर धुर्वे उम्र 18 साल निवासी आनंद नगर छिन्दवाड़ा
एक विधि विरुद्ध बालक

इनकी रही भूमिका
थाना प्रभारी रावनवाड़ा निरीक्षक ईश्वरी पटले, सउनि बालकृष्ण तिवारी, राजेश नामदेव की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

राष्ट्रीय हिंदू सेना ने नववर्ष एवं नवरात्रि पर निकाली वाहन रैली

चौरई नगर में गूंजी श्री राम के जयकारों की गूंज, बड़ी संख्या में शामिल हुए लोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ चौरई

राष्ट्रीय हिंदू सेना द्वारा हिन्दू नववर्ष एवं चैत्र नवरात्रि के उपलक्ष्य में भव्य विशाल वाहन रेली का आयोजन किया गया जिसमें राष्ट्रीय हिन्दू सेना जिला अध्यक्ष यमन साहू जी एवं छात्र परिषद जिला अध्यक्ष विजय गौली जिला महामंत्री गोलू पटेल जिला कोषाध्यक्ष आनंद पटेल नगर अध्यक्ष ऋषि लाला अभय गौली की उपस्थिति में शुभारंभ हुआ जिसमें रैली का शुभारंभ साईं धाम कालोनी से जो कि चौरई नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः साई धाम कालोनी में संपन्न हुआ रैली में सम्मिलित हुए सभी हिंदू भाइयों का आभार व्यक्त किया गया।

इस दौरान राष्ट्रीय हिन्दू सेना जिला सहमंत्री मोनू यादव जी ब्लॉक प्रभारी दीपक निर्मलकर जी ब्लॉक अध्यक्ष लालू यादव जी ब्लॉक उपाध्यक्ष जीतू यादव काका जी ब्लॉक संयोजक अजय नायक जी ब्लॉक महामंत्री अभय दुबे जी प्रदूम गुर्दे जी गौ रक्षक प्रमुख प्रसून तिवारी जी मिडिया प्रभारी लक्की साहू ब्लॉक अध्यक्ष राजवीर नाथ अभिनाश गौली मिंटू जैन अतुल गौली विक्की वर्मा हर्ष इंगोले नगर अध्यक्ष दीपक मालवीय जी अर्पित राय जी कन्हैया बन्देवार जी सन्तोष यादव जी मंगल सिंगार जी महेश सिंगार जी सुजल विश्वकर्मा जी जतिन विश्वकर्मा सूर्यांश दुबे जी योगेश दुबे जी अनुराग चौरसिया जी विकाश शर्मा जी शुभम नामदेव रजनीश जवारे जी गज्जू नागवंशी जी निलेश सानोडिया जी उमेश पटेल जी उमेश नामदेव मुकेश संदीप नामदेव जी गोपी माहेश्वरी जी अनमोल साहू मनु यादव मिंटू जैन कमल भलावी राजा गोहिया सत्यम विश्वकर्मा सचिन यादव केशव चौरसिया संदीप ना मदेव आत्माराम वर्मा विक्की वर्मा रही साहू विवेक राजपूत कमलेश पटेल ऋषभ राजपूत दीपक यादव भानु यादव निखिल वर्मन मोहित शर्मा अंकित साहू रत्नेश विश्वकर्मा संजू यादव सतीश वर्मा गगन राजभर जुगल किशोर अंकित पटेरिया धीरज शर्मा विराट यादव हंसराज भाईजी एवं राष्ट्रीय हिन्दू सेना के समस्त पदाधिकारी एवं समस्त कार्यकर्तागण उपस्थित रहे । एवं राष्ट्रीय हिन्दू सेना सभी कार्यकर्तागण का आभार व्यक्त करती है ।।

श्रीलंका में करेगी कल्याणी विश्वकर्मा भारत का प्रतिनिधित्व

सौंसर। नगर की होंनहार वार्ड नंबर 13 निवासी बेटी कल्याणी कराते के क्षेत्र में भारत का प्रतिनिधित्व श्रीलंका में करेगी। मिली जानकारी के अनुसार 26 मार्च से 29 मार्च तक तेलंगाना के हैदराबाद शहर मे कराते इंडिया ऑर्गनाइजेशन द्वारा 4 थी राष्ट्रीय कराते प्रतियोगीता आयोजन किया गया था इस आयोजन में सौसर की बेटी कल्याणी गोविंद विश्वकर्मा ने मध्य प्रदेश राज्य का प्रतिनिधित्व कर स्वर्ण पदक प्राप्त किया, और एशियन कराते प्रतियोगीता के लिए अपनी जगह सुनिश्चित की है,अब सौसर की यह खिलाडी बेटी श्रीलंका मे देश का प्रतिनिधित्व करेगी,कुमारी कल्याणी सौसर नगर के संजय मार्शल आर्ट स्कूल मे कराते का नियमित अभ्यास कराते प्रशिक्षक संजय भुजाडे के पास करती थी, संजय मार्शल आर्ट स्कूल द्वारा भोपाल के खेल युवक कल्याण विभाग मे कराते का ट्रायल देने के पश्चात उसका चयन भोपाल अकादमी मे हुआ था, अभी बालिका भोपाल अकादमी मे कराते का अभ्यास कर रही है, यह सौसर नगर के लिए पहली उपलब्धि है की नगर से कोई कराटे खिलाड़ी एशियन प्रतियोगीता मे देश का प्रतिनिधित्व कर रही है, खिलाड़ी कल्याणी की उपलब्धि पर संजय मार्शल आर्ट स्कूल गनमान्य नागरिको ने कल्याणी को एवम कल्याणी और उसके परिजनों का स्वागत सत्कार किया है।

तक्षशिला इलेवन ने टाइम स्पोर्ट्स बड़कुही क्लब को हराया

छिंदवाड़ा। विवेक बंटी साहू की प्रेरणा से इंदिरा गांधी क्रिकेट मैदान में सांसद कप क्रिकेट टूर्नामेंट में सोमवार को 2 मैच खेले गए। टूर्नामेंट के सचिव संदीप मालवीय ने बताया कि गत दिनों दूसरा मैच तक्षशिला इलेवन छिंदवाड़ा व टाइम स्पोर्ट्स बड़कुई के मध्य खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए टाइम स्पोर्ट्स बड़कुई ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 139 रन बनाएं जिसमे 35 रन यश ठाकुर व 24 रन रेहान खान ने बनाये। 140 रनों के लक्ष्य को तक्षशिला इलेवन क्लब ने 17.3 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। तक्षशिला इलेवन क्लब के बल्लेबाज अतुल बिंझाड़े ने 73 व आशु पांडे ने 33 रन बनाये।

निर्माण मटेरियल चोरी करने की हुई शिकायत

न्यूटन / परासिया :- न्यूटन पुलिस चौकी में एक ठेकेदार के द्वारा निर्माण कार्य का मटेरियल चोरी किए जाने की शिकायत दर्ज कराई गई है । पुलिस इस मामले में जांच कर रही है ।परासिया निवासी ठेकेदार मोहन तिवारी ने न्यूटन पुलिस को लिखित शिकायत दी है , कि बरारिया में सड़क निर्माण के लिए उनके द्वारा बरारिया में ही एक व्यक्ति की निजी भूमि पर रेत , सीमेंट , गिट्टी आदि का भंडारण किया गया था , जिसमें 5 डंपर रेत , 6 डंपर गिट्टी और 30 बेग सीमेंट , जिनकी कुल लागत 2,30, 750 रूपये है । जिसे परासिया में रहने वाले विजेन्द्र ब्रम्हे ऊर्फ गुड्डू कड द्वारा ट्रैक्टर के जरिए चुरा कर ले जाया गया । उससे बात करने पर वह राशि दिलाने की बात करता है । श्री तिवारी का कहना है , कि उक्त व्यक्ति के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज होना चाहिए , साथ शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने का मामला भी दर्ज होना चाहिए । हांलाकि इस मामले में पुलिस जांच कर रही है।

30 मार्च से प्रारंभ जल गंगा संवर्धन अभियान

बिछुआ। मध्यप्रदेश सरकार जल स्रोतों के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। रजल गंगा संवर्धन अभियानर के तहत जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण पहल की गई है,इस दौरान रविवार को जनपद पंचायत बिछुआ अंतर्गत ग्राम पंचायत खमरा में अभियान की शुरुआत की गई,इस दौरान मुख्य रूप विधानसभा प्रभारी लखन कुमार वर्मा,वरिष्ठ नेता लक्ष्मीकांत गोलू नागरे,जनपद उपाध्यक्ष निरंकुश नागरे,भाजपा मंडल अध्यक्ष द्वय शैलेश चोपड़े,गोपाल कवरेती,वरिष्ठ नेता रामसिंह पटेल,डॉ धनेंद्र वर्मा,बलवीर डेहरिया,पार्षद बबलू आरगुडे, जनपद सीईओ सुरेश कुमार इंदौकर,सहायक यंत्री पी आर अतुरकर सर,एपीओ धर्मेंद्र मालवीय,उपयंत्री पंकज साहू, उपयंत्री अशोक फरकसे, दिलीप वर्मा,भूरा चोपड़े,संदीप भट्ट,विवेक कोठेकर,लक्ष्मण साहू,सोनू यादव,शुभम साहू सहित ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव एवं ग्रामीण जन कर्मचारी मौजूद रहे।

कक्षा आठवीं में 79.33 प्रतिशत अंक अंक प्राप्त कर सतीश आए प्रथम

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमुआ

राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा घोषित किया कक्षा 8 वी 2024-25 का परीक्षा परिणाम में शासकीय माध्यमिक शाला पिंडरई खुर्द संकुल नंदन विकास खंड जुन्नारदेव जिला छिन्दवाड़ा मध्य प्रदेश स्कूल का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। कक्षा 8 वी में कुल 09 विद्यार्थी में से सभी 09 विद्यार्थी उत्तीर्ण रहें। शाला का वार्षिक परीक्षा परिणाम शतप्रतिशत रहा।विद्यालय का छात्र सतीश बैठे ने 79.33 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर उर्मिला दर्शमा 77.16 प्रतिशत एवं पूनम दर्शमा 75.83 प्रतिशत अंक के साथ तृतीय स्थान पर रही। विद्यालय के प्रधानपाठक श्री टी एस ठाकुर एवं शिक्षक श्री राजकुमार गाठे सभी अतिथि शिक्षक-शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों एवं उनके पालकों को बेहतर परीक्षा परिणाम के लिये बधाई दी।

पातालकोट की रसोई को मिला प्रथम स्थान

छिंदवाड़ा जिले के श्रीअन्न एवं पारंपरिक व्यंजनों पर आधारित था मेला

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

जहां एक ओर गत दिवस मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छिंदवाड़ा जिले के महुआ के फूलों से बने लड्डू एवं कुकीज का जिक्र कर महिला स्वसहायता समूहों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

वहीं दूसरी ओर छिंदवाड़ा जिले की ओर से 29 व 30 मार्च 2025 को जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के प्रांगण में आयोजित दो दिवसीय संभाग स्तरीय मिलेट फ़ूड फेस्टिवल सह कृषि मेला में पातालकोट की रसोई की स्वीट डिश महुआ की पूड़ी- रबड़ी, महुआ के लड्डू मेले की सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाले व्यंजन बने। साथ ही पातालकोट की रसोई को संभागीय स्तर पर प्रथम स्थान भी मिला। प्रथम पुरस्कार जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के कुलपति के हस्ते फाउंडर श्री पवन श्रीवास्तव को गमछा ओढ़ाकर प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर पातालकोट की रसोई के फाउंडर श्री पवन श्रीवास्तव ने संयुक्त संचालक कृषि जबलपुर श्री के.एस.नेताम एवं उप संचालक कृषि छिंदवाड़ा श्री जितेंद्र कुमार सिंह सहित कृषि विभाग का धन्यवाद किया । जिनके प्रयासों से इस आयोजन में जिले की ओर से प्रतिनिधित्व एवं सहभागिता का अवसर मिल पाया, जिसके कारण छिंदवाड़ा जिले का मान बढ़ा। इस फेस्टिवल में विभिन्न कृषि उत्पादों के स्टॉल संभाग के सभी जिलों के द्वारा लगाए गए।

छिंदवाड़ा जिले के विभिन्न मिलेट्स उत्पादों, प्राकृतिक/जैविक उत्पादों, कच्ची घानी तेल तथा पातालकोट की रसोई के द्वारा बनाये गये महुआ, ज्वार, रागी के लड्डू, महुआ की पूड़ी-रबड़ी, बरबटी के बड़े, बाजरा की खिचड़ी और संवा की खीर और विभिन्न प्रकार के मिलेट व्यंजनों की धूम पूरे मेले में छाई रही ।

सकल चौरसिया समाज का होगा सामूहिक विवाह सम्मेलन

अध्यक्ष धर्मेंद्र चौरसिया के नेतृत्व में घरों घर जाकर दिए जा रहे है आमंत्रण

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिंगोड़ी

विगत दिनों सकल चौरसिया समाज छिंदवाड़ा की सामाजिक बैठक का आयोजन चौरसिया मंगल भवन छिंदवाड़ा में संपन्न हुआ।जिसमे जिला कार्यकारिणी सहित समाज के सभी पदाधिकारीगण और सदस्यगण प्रमुख रूप से मौजूद रहे। सकल चौरसिया समाज छिंदवाड़ा के अध्यक्ष धर्मेन्द्र चौरसिया के नेतृत्व में बैठक संपन्न हुई अध्यक्ष धर्मेन्द्र चौरसिया ने बताया कि बैठक में सभी कार्यकारिणी सदस्यो को समाज हित में विभिन्न सामाजिक कार्यो को करने का दायित्व सौंपा जाएगा जो आगामी बैठक में बताया जाएगा।वही संपूर्ण जिले भर में जिला समाज चौरसिया समाज के घरों घर जाकर रामनवमी पर्व पर होने वाले सामूहिक आदर्श विवाह कार्यक्रम को लेकर आमंत्रण पत्र देकर उन्हें आमंत्रित किया जा रहा है। और एक दिन समाज के नाम लोगो के साथ समस्त जिले भर के चौरसिया बंधुओं से इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में आने की अपील की जा रही है धर्मेंद्र चौरसिया ने कहा कि पूर्ण ऊर्जा और उत्साह उमंग के साथ चौरसिया समाज के विभिन्न कार्यो में भागीदारी लेकर कार्य करते हुए समाज में फैली विभिन्न कुरुतियों अंधविश्वास को दूर कर समाज को एकत्र करने एवं फिजूल खर्चो से बचाने को लेकर यह वैवाहिक सम्मेलन विगत 46 वर्षों से लगातार छिंदवाड़ा में आयोजित किया जा रहा है।

सिंगोड़ी में निकाल चल समारोह

सिंगोड़ी : चैत्र नवरात्रि, गुड़ी पड़वा के अवसर पर सिंगोड़ी में रविवार रात आठ बजे के करीब हिन्दू उत्सव समिति विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल ने डीजे गाजे बाजे के साथ चल समारोह निकाला।जुलूस जीवित समाधि स्थल कबीरवाड़ा से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण किया। बस स्टैंड में चल समारोह के दौरान अखाड़े का करतब युवाओं ने दिखाया। वहीं मां चलसमारोह राजराजेश्वरी नगर देवी मंदिर पहुंचा जहां महाआरती एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। इस अवसर पर हिंदू समिति के सभी कार्यकर्ताओं और ग्रामीण शामिल थे। वही अमरवाड़ा एसडीएम हेमकरण धुर्वे, एसडीओपी रविन्द्र मिश्रा,टीआई राजेंद्र उईके तहसीलदार सिंगोड़ी चौकी प्रभारी पंकज राय सहित पुलिस बल सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मौजूद रहा।

एक दूसरे से गले मिलकर दी मुबारकबाद, किया मुंह मीठा

चांद के दीदार के बाद मुस्लिम भाईयों ने धूमधाम से मनाई ईद

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिंगोड़ी

चांद के दीदार के बाद आज देशभर में धूमधाम से मनाई जा रही ईद, जानें क्यों मनाया जाता है यह त्योहार आज यानी 31 मार्च को पूरे देश में धूमधाम के साथ ईद-उल-फितर का त्योहार मनाया जा रहा है। इस दिन मुस्लिम धर्म के लोग आपस में गले मिल कर एक दूसरे को ईद की बधाई देते हैं। ऐसे में आइए जानते है कि आखिर मुसलमान ईद क्यों मनाते हैं। ईद उल फितर का त्योहार मुसलमानों के लिए बेहद खास होता है। ईद का चांद नजर आते ही हर मुसलमान की खुशी का ठिकाना नहीं रहता। रमजान के पूरे महीने रोजे रखने और अल्लाह की इबादत करने के बाद जब ईद का ऐलान होता है, तो हर कोई जश्न

मनाने के लिए तैयार हो जाता है। लोग एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद देते हैं, नए कपड़े पहनते हैं, और घरों में खास पकवान बनाते हैं। आपको बता दें कि इस साल भारत में 30 मार्च, रविवार को ईद का चांद नजर आया, जिसके बाद सोमवार 31 मार्च को देशभर में धूमधाम के साथ ईद मनाई जा रही है। ऐसे में आइए जानते हैं कि आखिर मुसलमान ईद क्यों मनाते हैं।ईद क्यों मनाई जाती है?ईद सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि रमजान के पूरे महीने की इबादत और सब्र का इनाम है। इस खुशी में लोगों का मुंह मीठा करवाया जाता है। यह परंपरा रमजान शरीफ के पाक माह के बाद हर साल ईद-उल-फितर मनाई जाती है।

ईद पर्व पर मुस्लिम भाइयों ने मांगी अमन चैन की दुआ

सौंसर। नगर के साथ लोधिखेड़ा, मोहगाव हवेली,रामाकोना,पिपला ना वारमें सोमवार को पवित्र पर्व ईद-उल-फितर पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया,मिली जानकारी के अनुसार पाक माहे रमजान के रोजेदारों में उस समय खुशी छा गई जब रविवार की शाम को चांद दिखाई दिया,जिसके बाद सोमवार को ईद-उल-फित्र का ऐलान हुआ,सौसर में नमाज के बाद में मुस्लिम भाइयों ने एक दूसरे को गले लगाकर ईद पर्व की बधाई दी गई, मुख्य आयोजन नगर के वार्ड नं 8 ईदगाह पर हुआ, जहां पर मुस्लिम भाइयों ने नमाज अदा करते हुए देश क्षेत्र प्रदेश के लिए अल्लाह ताला से अमन चैन सुख शांति की दुआ मांगी, ईदगाह पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष में विधायक विजय चोरे ने साथियों के साथ में पहुंचकर नमाज के बाद में मुस्लिम भाइयों को गले लगाकरमिठाई खिलाते हुए कर ईद पर्व की बधाई दी, इस दौरान निजाम भाई मंसूरी, जाफर पटेल, युसूफ खान,पूर्व नपा सभापति आसिफ पठान, आदि को गले लगा कर ईद पर्व की बधाई,इस अवसर पर डॉ राजेन्द्र येमदे, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष लक्ष्मण चाके, सुनील मांनगे सतीश बोडखे,प्रशांत महाले, विट्ठल गायकवाड,राजा कलस्कर,अमरीश जायसवाल आदि उपस्थित थे।लोधिखेड़ा नगर में भी ईद पर्व पर विशेष नमाज अंदा करते नए मुस्लिम भाइयों ने अमन चैन के लिए दुआ मांगी,इस दौरान वीरेंद्र जायसवाल सहादेवराव गोडबोले, पूर्व जिला पंचायत सदस्य विलास जोगी,इजार अली,दिनेश भोयर आदि ने उपस्थित होकर मुस्लिम भाइयों को गले लगाते हुए एक पर्व की बधाइयां दी है।

भक्तों के सहयोग से हुआ नवनिर्माण, प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा का विशेष आयोजन

चैत्र नवरात्रः चांदामेटा का मां खेड़ापति मंदिर बना आस्था का केंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

छिंदवाड़ा शहर के विकासखंड परासिया में स्थित मां खेड़ापति मंदिर आस्था और विश्वास का प्रमुख केंद्र है। इस मंदिर का ऐतिहासिक महत्व और धार्मिक आस्था भक्तों को सदियों से आकर्षित करती आ रही है। सौ वर्षों से अधिक समय से यहां भक्तजन पिंड स्वरूप में मां खेड़ापति देवी की पूजन और आराधना करते आ रहे हैं।

लगभग ढाई दशक पहले भक्तों ने श्रमदान और धनदान से मां खेड़ापति देवी के प्राचीन मंदिर का जीर्णोद्धार कर भव्य नवनिर्माण किया था। इस नवनिर्मित मंदिर के समीप हिमाचल प्रदेश में स्थित मां ज्वाला देवी से लाई गई अमर ज्योति वर्ष 2008 से लगातार प्रज्वलित हो रही है, जो भक्तों के बीच विशेष आस्था का केंद्र बनी हुई है।

मंदिर के नवनिर्माण और प्रतिमा

प्राण प्रतिष्ठा का विशेष आयोजन वर्ष 2003 में किया गया था। इस दौरान प्रथम शतचंडी महायज्ञ का भव्य आयोजन हुआ था। 6 फरवरी 2003 को बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर मां जगदम्बा की सुंदर संगमरमर निर्मित प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती और श्रीश्री 1008 गरीबदास बाबा के सानिध्य में सम्पन्न हुई थी। इसी आयोजन से मंदिर में पंचवर्षीय पटोत्सव की परंपरा प्रारंभ हुई।

अमर ज्योति की स्थापना

हिमाचल प्रदेश में स्थित मां ज्वाला देवी से वर्ष 2008 में भक्तों ने अमर ज्योति लाकर मां खेड़ापति मंदिर चांदामेटा में द्वितीय पंचवर्षीय महा आयोजन के दौरान स्थापित किया। तब से यह अखंड ज्योति लगातार प्रज्वलित हो रही है।

पंचवर्षीय पटोत्सव की परंपरा अब तक इस मंदिर में पांच पंचवर्षीय पटोत्सव आयोजित हो चुके हैं।

प्रथम पटोत्सव : वर्ष 2003
द्वितीय पटोत्सव : वर्ष 2008
तृतीय पटोत्सव : वर्ष 2013
चतुर्थ पटोत्सव : वर्ष 2018
पंचम पटोत्सव : वर्ष 2023
अब आगामी षष्टम पंचवर्षीय पटोत्सव वर्ष 2028 के चैत्र माह में आयोजित होगा, जिसे भव्य रूप से मनाने की तैयारी रहेगी।

मंदिर तक पहुंचने का मार्ग

मां खेड़ापति मंदिर तक पहुंचने के लिए छिंदवाड़ा-सारनी मार्ग पर परासिया और चांदामेटा की सीमा पर स्थित पहाड़ी मार्ग से पहुंचा जा सकता है। मंदिर चांदामेटा-उमरेठ मार्ग पर स्थित है, जो चांदामेटा बस स्टैंड से लगभग डेढ़ किलोमीटर दक्षिण दिशा में तथा उमरेठ से आठ किलोमीटर उत्तर दिशा में स्थित है। भक्तजन परासिया-चांदामेटा तक सवारी वाहनों के माध्यम से आसानी से पहुंच सकते हैं।

हिंगलाज माता मंदिरः आस्था और मान्यता का अद्भुत केंद्र

छिंदवाड़ा शहर के विकासखंड परासिया के गुड़ी-अम्बाड़ा के पास स्थित हिंगलाज माता मंदिर आस्था का प्रमुख केंद्र है। मान्यता है कि इस मंदिर में मां के दरबार में लगाई गई हर अर्जी पूरी होती है। भारत में हिंगलाज माता के केवल दो ही मंदिर हैं—एक पाकिस्तान की सीमा के पास और दूसरा छिंदवाड़ा जिले के बर्कुही के निकट अंबारा में स्थित है।

मंदिर का भौगोलिक स्थान और धार्मिक महत्व

यह मंदिर नगर से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर दक्षिण दिशा में परासिया रोड के रास्ते पर स्थित है। श्रद्धालु यहां प्रतिदिन दर्शन के लिए आते हैं, लेकिन विशेष रूप से मंगलवार और शनिवार को यहां पूजा-अर्चना का विशेष महत्व माना जाता है।

नवरात्रि में विशेष व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंध

नवरात्रि के दौरान मंदिर परिसर में पुलिस बल तैनात रहता है और सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाती है ताकि भक्तजन सुरक्षित रूप से अपनी आस्था प्रकट कर सकें। बच्चों के मनोरंजन के लिए झूला-चकरी और अन्य खिलौनों की व्यवस्था भी की गई है।

विशेष जल कुंड और परंपरा

मंदिर के प्रवेश द्वार पर एक विशेष सीमेंटेड गड्ढा बनाया गया है, जो करीब एक फीट गहरा, तीन फीट लंबा और 15 फीट चौड़ा है। इसमें निरंतर जल

बहता रहता है, जिसमें श्रद्धालु अपने पैर धोकर मंदिर में प्रवेश करते हैं और मां हिंगलाज की पूजा-अर्चना करते हैं।

नवरात्रि में ज्योति कलश की अनोखी परंपरा

नवरात्रि के अवसर पर मंदिर में एक हजार से अधिक ज्योति कलश प्रज्वलित किए जाते हैं, जिससे मंदिर परिसर का माहौल अत्यंत भक्तिमय हो जाता है।

मंदिर का ऐतिहासिक प्रसंग

मंदिर के इतिहास से जुड़ी एक रोचक किवदंती के अनुसार, कोलमाइन के एक अंग्रेज मालिक ने मंदिर की मूर्ति हटाने का प्रयास किया था। इस दौरान खदान में पत्थर धंस गया और वह अंग्रेज खदान में ही जिंदा दफन हो गया।

राजस्थान के काठियावाड़ राजघराने से संबंध

यह मंदिर राजस्थान के काठियावाड़ के राजा की कुलदेवी के रूप में भी प्रसिद्ध है। हिंगलाज माता का यह मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र होने के साथ-साथ धार्मिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण प्रतीक भी है, जहां भक्तजन अपनी मन्नतें पूरी होने की आशा लेकर आते हैं।

पार्किंग में तब्दील हुआ बच्चों का पार्क, वार्डवासियों की उदासीनता जिम्मेदार

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मण्डला के पड़ाव वार्ड, भगत सिंह वार्ड और नर्मदा कॉलोनी में बने पार्क आज अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहे हैं। जिन स्थानों पर बच्चों की किलकारियां गूंजनी चाहिए थीं और हरियाली की महक फैलनी थी, वहां अब वाहनों की कतारें लगी रहती हैं। पार्कों को अवैध पार्किंग स्थल बना दिया गया है, जिससे उनका मूल उद्देश्य ही खत्म हो गया है।

पार्षद और नगरपालिका की निष्क्रियता पर सवाल उठ रहे हैं, लेकिन इससे भी अधिक चिंताजनक यह है कि वार्डवासी स्वयं इस अव्यवस्था के लिए जिम्मेदार हैं। पार्कों की सुंदरता बनाए रखने की जिम्मेदारी सिर्फ प्रशासन की नहीं, बल्कि स्थानीय नागरिकों की भी होती है। लेकिन यहां लोग अपने स्वार्थ में इन्हें वाहन खड़ा करने की जगह बना चुके हैं।

डॉ. शैलेन्द्र गुप्ता के घर के सामने बना गार्डन खासतौर पर उपेक्षा का शिकार हो गया है। हरियाली और फूलों की फुलवारी की जगह धूल और धुएं ने ले ली है।

वार्डवासियों की इसी लापरवाही के कारण बच्चों को खेलने के लिए उपयुक्त स्थान नहीं मिल रहा है। यदि नागरिक स्वयं जागरूक होकर पहल करें और इन स्थानों को उनके मूल स्वरूप में वापस लाने का प्रयास करें, तो यह समस्या आसानी से हल हो सकती है।

प्रशासन से शिकायत करने से पहले स्थानीय लोगों को खुद अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी।

इनका कहना है :-

इस पार्क के सुधार के लिए दो साल पहले 5 लाख रुपए की राशि से टेंडर लगाया गया था, लेकिन अब तक काम शुरू नहीं हुआ है। मैंने टेंडर निरस्त करने की कार्यवाही के लिए भी कहा था, लेकिन वह भी ठंडे बस्ते में डाल दी गई है। ठेकेदार से बात करने पर उन्होंने बताया कि निधि में पैसा ही नहीं है, तो काम कैसे किया जाए? ऐसे में सुधार कार्य अधर में लटका हुआ है।

-विनय वरदानी,
पार्षद

10 वर्षों से फरार चल रहे वारंटी को थाना बम्हनी बंजर पुलिस ने किया गिरफ्तार

बम्हनीबंजर। थाना प्रभारी बम्हनी बंजर में वर्ष 2013 में आरोपी सतीश चन्द्र जाटव के विरूद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 392, 397, 41 के तहत अपराध क्रमांक 219/2013 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। मामले में विवेचना पश्चात आरोपी के विरूद्ध चालान माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था। जिसमें मामले के विचारण में आरोपी को माननीय न्यायालय द्वारा 10 वर्ष का कारावास एवं 10 हजार रूपये के जुर्माना के दंड से दंडित किया गया था। प्रकरण में माननीय उच्च न्यायालय द्वारा अभियुक्त की अपील खारिज करते हुए वर्ष 2019 में 1 माह के भीतर उपस्थित होने हेतु निर्देशित किया गया था, किन्तु अभियुक्त लगातार फरार चल रहा था, जिसपर अभियुक्त सतीश चंद्र जादव पिता रामदयाल जादव, नया नगला गली नंबर 08 डेम्पियर नगर थाना कोतवाली मथुरा उत्तरप्रदेश को गिरफ्तार करने हेतु माननीय न्यायालय चतुर्थ अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश मंडला द्वारा गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। पुलिस अधीक्षक मंडला द्वारा थाना प्रभारी बम्हनी बंजर को अभियुक्त की गिरफ्तारी वारंट की विधिवत तामीली हेतु निर्देशित किया गया था। उक्त आरोपी के गिरफ्तारी हेतु अनुविभागीय अधिकारी पुलिस नैनपुर के निर्देशन में थाना प्रभारी बम्हनी बंजर उप निरीक्षक अरुण प्रताप सिंह भदौरिया द्वारा सहायक उप निरीक्षक मुकेश चौरसिया के नेतृत्व में टीम मथुरा उत्तर प्रदेश भेजा गया। पुलिस टीम द्वारा उक्त अभियुक्त को मथुरा उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर आज माननीय न्यायालय में पेश किया गया। उक्त वारंट की तामीली में थाना प्रभारी बम्हनी बंजर उप निरीक्षक अरुण प्रताप सिंह भदोरिया, सहायक उप निरीक्षक मुकेश चौरसिया, प्रधान आरक्षक ओम प्रकाश, महिला प्रधान आरक्षक सुशीला मरावी, आरक्षक रंजीत धुर्वे, आरक्षक शिवराम बघेल, आरक्षक उमराव व सुरेश भटेरे सायबर सेल मंडला की भूमिका रही।

तीर्थ | यहां के जवारे विसर्जन पूरे क्षेत्र में रहते आकर्षण का केन्द्र

आदिवासियों का तीर्थ है चौगान की मढ़िया

*** अनुयायी करते हैं कठिन नियमों का पालन।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

चौगान दरबार में मंडला के अलावा अन्य राज्यो से भी श्रद्धालु आते है। चैत्र नवरात्र पर्व में माता के दरबार में भक्तो का तांता लगा हुआ है। श्रृद्घालु नौ दिनों तक यहां निवास भी करते है। इस मढिया की महिमा दूर-दूर तक है। मढिया 1700 ई.सन से है। चैत्र नवरात्र में मढिया में भक्तो का तांता लगा रहता है। नौ दिनो तक मढिया में विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते है। चौगान मढिया पत्थर की दीवार के परकोटे से सुरक्षित है, यहां माँ का दरबार है। पंडा पूजन कर भक्तो को धूनी प्रसाद स्वरूप देते है। जिससे भक्तो के सारे मनोरथ पूरे होते है। साल भर में मढिया में चार पर्व चैत्र नवरात्र, शारदेय नवरात्र, कार्तिक पूर्णिमा, शिवरात्रि मनाई जाती है।

जानकारी अनुसार चौगान की मढिया आदिवासियों का तीर्थ स्थान कहा जाता है, मंडला से 30 किमी दूर इस स्थान पर नवरात्रि में विशेष पूजा अर्चना की जाती है, यहां भक्तों की मनोकामना पूरी होती है, लोगों का मानना है कि इस स्थान पर आने से कई बीमारियों से निजात भी मिल जाता है। इस मढिया में ना केवल मंडला जिला बल्कि दूसरे प्रदेशों व जिलों से हर वर्ग के लोग मन्नत मांगने आते है। यहां दरबार में एक चुटकी भभूत खाने और दरबार में माथा टेकने से उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। भक्तों की मन्नत पूरी होने पर यहां भक्तों द्वारा ज्योत कलश की स्थापना कराना जरूरी होता है।

जानकारी अनुसार इस स्थान पर श्रद्धा रखने वाले भक्तों का मानना है कि चौगान की मढिया में देवी का वास है और लोग यहां दूर-दूर से आकर अपनी मन्नत को पूरी करने के लिए दरबार में प्रार्थना करते है। दरबार में आने के बाद श्रृद्धालु सबसे पहले नारियल, अगरबत्ती के साथ अपनी मनोकामना चौगान की मढिया में स्थापित देवी से कहना पड़ता है और यहां देवी के पुजारी पंडा के सामने अपनी मन्नत की अर्जी लगाते है। इसके बाद पंडा द्वारा लगातार जलती धूनी की एक चुटकी भभूत माँ के आशीर्वाद के रूप में देते है। जिसके बाद इस भभूत को खाने के बाद बीमारियों के दूर होने और अपनी मांगी मन्नत को पूरी होने की बात पंडा कहता है। दरबार के पुजारी का कहना है कि दरबार की माता लोगों की सूनी गोद भरने के साथ बीमारियों को भी दूर करती है। मानसिक रूप से विक्षिप्त यहां दरबार में ठीक हो जाते है। इसके साथ ही यहां कानूनी उलझनों से भी दरबार से निजात मिलता है।

कृषि मेले में मण्डला का मसाला गुड, शहद और मिलेट्स रहा आकर्षण का केन्द्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

शासन की कृषि संबंधी योजनाओं के प्रचार-प्रसार व नवीनतम कृषि तकनीक के प्रति जागरूकता के लिये किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर में दो दिवसीय संभागीय मिलेट्स फेस्टीवल सह कृषि मेला का आयोजन किया गया। जबलपुर में आयोजित दो दिवसीय ₹संभागीय मिलेट्स फेस्टीवल सह कृषि मेला₹ में मंड़ला का मसाला गुड और मिलेटस उत्पाद मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहा।

मेले में फसल विधिकरण और तकनीकी खेती से कृषकों को लाभांवित करने के लिये कई प्रकार के स्टॉल लगाये गये थे। मेले में 200 से अधिक स्टाल लगाए गये थे। जिसमें पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्य पालन, वन विभाग, दुग्ध संघ, मंडी बोर्ड, बीज निगम, एपीईडीए, ऊर्जा विकास निगम, उर्वरक, बीज, कीटनाशक, एसएचजी एवं एफपीओ आदि विभाग भी अपनी सहभागिता सुनिश्चित की।

मण्डला जिले का पूरा सोशल सॉल्यूशंस प्रा.लि. का स्टॉल मसाला गुड, शहद और कोदो के चांवल के कारण मेले में आकर्षण का केन्द्र रहा। कोदो, गुड और शहद में किए गए कार्य के लिए पूरा सोशल साल्यूशंस प्रा.लि.को सहभागिता का प्रमाण पत्र सह सम्मान पत्र प्रदान किया गया। पूरा सोशल साल्यूशंस के डायरेक्टर गजेन्द्र गुप्ता ने बताया कि,उनके कम्पनी के एडवाइजर सुरेन्द्र गुप्ता ने मंड़ला गुड को अदरक और इलाइची फ्लेवर मसाला गुड बनाकर पूरे देश में प्रचलित किया है।

खबर संक्षेप

अधिवक्ता के घर निकला नाग, मची दहशत

सिवनी। नगर के कबीरवार्ड डूंडासिवनी महाराणा प्रताप नगर निवासी अधिवक्ता योगेश मिश्रा के घर सोमवार दोपहर लगभग 3.30 बजे साढ़े चार फीट लंबा नाग दिखाई देने से हडक़ंप मच गया। नाग की मौजूदगी की जानकारी जैसे-जैसे आसपास के लोगों को लगी वहां भीड़ एकत्रित हो गई। तभी नाग आंगन से निकलकर नाली की ओर पहुंचा तथा वहां से वह घर के बाजू में स्थित कुएं में जा गिरा। अधिवक्ता योगेश मिश्रा ने इसकी सूचना तत्काल फॉरेस्ट विभाग के प्रवीण तिवारी व शशांक यादव को दी, जिन्होंने कुएं में रस्सी डालकर नाग को बाहर निकाला और एक डब्बे में रखकर उसे जंगल छोड़ आए। प्रवीण तिवारी ने बताया कि विषैले सांपों में मुख्य मुख्य चार प्रकार की प्रजातियां होती है जिसमें से एक-एक यह जहरीला नाग भी इस प्रजाति में आता है।

राजेश पाल सिंह का निधन

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता हैं। स्वर्गीय ठाकुर नेत्रपाल सिंह जी के जेष्ठ पुत्र,केवलारी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक श्री राकेश पाल सिंह जी एंव श्री विजय पाल सिंह जी के बड़े भाई राजेश पाल सिंह जी की लम्बी बीमारी के चलते देवलोक गमन हो गया है।अंतिम संस्कार कल सुबह दिन मंगलवार 1/4/2025 को 10 बजे सिवनी कटंगी नाका मोक्षधाम में किया जाएगा।प्रभु पुण्यात्मा को अपने चरणों मे स्थान प्रदान करे।शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी को सहने की सक्ति प्रदान करे।

नायब तहसीलदार की दरियादिलीः घायल दंपति को अपनी गाड़ी से पहुँचाया अस्पताल

केवलारी। सिवनी जिले के केवलारी-उगली मार्ग पर सोमवार को एक बड़ा हादसा हो गया। उगली के पास बंजारी माता मंदिर के समीप एक अनियंत्रित बोलेरो वाहन सडक़ से फिसलकर गहरे नाले में जा गिरा। इस हादसे में वाहन सवार पति-पत्नी और चालक गंभीर रूप से घायल हो गए।

हरिभूमि न्यूज ⏭ केवलारी।

साहस, सेवा और संवेदना का अद्भुत उदाहरण बने नायब तहसीलदार दुबे!

हादसे का शिकार हुए लोग कोई साधारण व्यक्ति नहीं, बल्कि प्रशासनिक सेवाओं से सेवानिवृत्त प्रतिष्ठित अधिकारी थे। वाहन में सवार थीं श्रीमती सुमन परते (65), जो रिटायर्ड डिप्टी कलेक्टर हैं, और उनके पति श्री टी. एस. परते, जो रिटायर्ड डीएफओ (वन विभाग अधिकारी) हैं। हादसे में वाहन चालक समेत तीनों लोगों को गंभीर चोटें आईं, जिसमें श्रीमती परते को अधिक चोटें पहुंचीं।

नायब तहसीलदार की तत्परता बनी जीवनरक्षक

घटना की जानकारी मिलते ही नायब तहसीलदार दामोदर प्रसाद दुबे ने बिना एक पल गंवाए तत्काल राहत कार्य शुरू किया। प्रशासनिक अधिकारी होने के बावजूद उन्होंने किसी भी सरकारी सुविधा या एम्बुलेंस का इंतजार नहीं किया, बल्कि खुद की गाड़ी से घायल दंपति और ड्राइवर को लेकर केवलारी सिविल अस्पताल पहुंचे।

मानवता की मिसाल बनी नायब तहसीलदार की यह पहल

नायब तहसीलदार दामोदर प्रसाद दुबे का यह साहसिक कदम न केवल प्रशासनिक कर्तव्यनिष्ठा का अद्भुत उदाहरण है, बल्कि मानवीय संवेदनाओं का भी प्रतीक है। उन्होंने दुर्घटना स्थल पर बिना किसी औपचारिकता के मदद की और घायलों को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई, जिससे उनकी जान बच सकी।

घायल दम्पति का इलाज जारी, क्षेत्र में प्रशंसा की लहर

केवलारी सिविल अस्पताल में घायल तीनों का इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार श्रीमती सुमन परते को ज्यादा चोटें आई हैं, लेकिन उनकी स्थिति अब स्थिर है। वहीं, श्री टी. एस. परते और वाहन चालक की हालत सामान्य बताई जा रही है।

इस सराहनीय पहल के बाद से नायब तहसीलदार दामोदर प्रसाद दुबे की चारों ओर प्रशंसा हो रही है। प्रशासनिक महकमे से लेकर स्थानीय नागरिकों तक हर कोई उनकी तत्परता और मानवता की मिसाल की सराहना कर रहा है।

ऐसे ही अधिकारी बनते हैं जनता के प्रिय

इस घटना ने यह साबित कर दिया कि एक सच्चा प्रशासक वही होता है, जो अपनी जिम्मेदारी केवल सरकारी दायित्वों तक सीमित न रखे, बल्कि समाज के प्रति भी समर्पित रहे। नायब तहसीलदार दुबे के इस कार्य ने प्रशासनिक सेवा के प्रति जनता का विश्वास और भी मजबूत कर दिया है।

किसान के खेत मे फिर से आग लगी फसल सहित पाईप बॉयर लीड जल कर राख

विकास खंड के ग्राम पंचायत नंदौरा के जोबा टोला में लगभा 10:30 पर अज्ञात कारणों से किसान मोहन सनोदिया के खेत पर खड़ी गेहूं की फसल सहित पाईप बॉयर लीड जल कर राख हो गए।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

स्थानीय किसानों ने कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया। राजस्व विभाग के पटवारी ने मौके पर। पर पहुंचकर नुकसान का जायजा लिया। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

स्थानीय किसानों ने भी आग बुझाने में की मदद सिवनी जिले में गेहूं की खड़ी फसल में आग लगने की घटनाएं लगातार हो रही हैं। इससे सिवनी जिले के नंदौरा सिवनी विकास खंड के नंदौरा गांव में आज एक बड़ी आगजनी की घटना सामने आई। रविवार सुबह 10: 30 बजे किसान के खेत में अचानक आग लग गई। महज 5 मिनट में 05 एकड़ में लगी गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। किसान लगभग 3 लाख रुपए नुकसान हो गया है। प्रशासन ने गर्मी के मौसम में आग से बचाव के लिए सावधानी बरतने की अपील की है। किसानों से नरवाई न जलाने की भी अपील की गई है, क्योंकि इससे आग का खतरा बढ़ जाता है।

आज सिवनी से होकर फिर दौड़ेगी रीवा-इतवारी एक्सप्रेस

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर के प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक ने 30 मार्च को आदेश जारी कर सात माह से बंद रीवा-इतवारी एक्सप्रेस ट्रेन के सिवनी-छिंदवाड़ा रूट में संचालन को हरी झंडी दे दी है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

रेलवे अधिकारियों की अनुमति के बाद एक अप्रैल से रीवा-इतवारी, नागपुर-शहडोल सहित दूसरी पैसेंजर ट्रेनों का संचालन पूर्व निर्धारित समय सारणी अनुसार प्रारंभ हो जाएगा। इससे कई माह से महंगी यात्रा कर रहे यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। छिंदवाड़ा पांडुरना के पास भंडारकुंड-भिमालगोंदी ब्रिज अगस्त 2024 में क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके कारण रीवा इतवारी ट्रेन का संचालन बंद करने के साथ नागपुर-शहडोल को परिवर्तित मार्ग पर चलया जा रहा था।

प्रारंभ होगा निलंबित ट्रेनों का संचालनः ब्रिज में दरार के कारण लंबी दूरी की एक्सप्रेस व पैसेंजर ट्रेनों का संचालन निलंबित कर दिया गया था। 1 अप्रैल से सभी निलंबित ट्रेनों का संचालन पुरानी समय-सारणी में प्रारंभहो जाएगा। ट्रेनों के संचालन से कम किराये में लोगों का मेडिकल हब नागपुर पहुंचना आसान हो जाएगा। वहीं रीवा और मैहर मां शारदा दरबार की यात्रा करने वाले यात्रियों को सुविधा मिलेगी। छिंदवाड़ा-सिवनी-नैनपुर मंडला फोर्ट ब्राडगेज का अप्रैल 2023 में पूर्ण होने पर यात्री ट्रेन का संचालन शुरू किया गया था। बीते साल ब्रिज क्षतिग्रस्त होने पर रेलवे को सिवनी-छिंदवाड़ा होकर चलने वाली गाड़ी संख्या 11755/11756 रीवा-इतवारी-रीवा एक्सप्रेस रद्द करना पड़ा था। छिंदवाड़ा-आमला होकर चल रही गाड़ी संख्या 11201/11202 नागपुर शहडोल-नागपुर एक्सप्रेस भी अपने निर्धारित रूट छिंदवाड़ा-इतवारी होकर चलने लगेगी। इन दिवसों में होगा संचालनः रीवा-इतवारी सप्ताह में चार दिन चलेगी।

रीवा-इतवारी ट्रेन 11755/11756 सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और शनिवार को सिवनी-छिंदवाड़ा होकर दौड़ेगी। शहडोल-नागपुर ट्रेन अपने पुराने समय पर प्रतिदिन चलेगी। रीवा-इतवारी ट्रेन 11756 रीवा-नागपुर की ओर एक अप्रैल को प्रस्थान करेंगी तो इतवारी-रीवा 11755 दो अप्रैल को प्रस्थान करेंगी।

शंखनाद के साथ भोर की पहली किरण का स्वागत

हरिभूमि न्यूज सिवनी। महिला सामाजिक संगठन निश्चल वेल्फेयर सोसायटी की पहल पर नगर के समस्त संगठन की बहनो के द्वारा नववर्ष का स्वागत भोर की पहली फूटती किरण के साथ ही शंखनाद करके,सूर्य देव को जल अर्पित कर,पुष्प भेट कर पूजन के साथ,नववर्ष का ध्वज लहरा कर तथा नववर्ष का गीत गाकर किया गया। सभी बहने सुबह 5 बजे ही राम मन्दिर में पहुचने लगी थी। सूर्य देव की पहली किरण के साथ ही पूजन शंखनाद के साथ प्रारम्भ किया गया। पूजन के बाद बहने हाथों में ध्वज लेकर नगर भ्रमण को निकली,जय जय श्रीराम और जय भवानी जय शिवाजी के गूंजते नारों से नगर का माहौल धार्मिक और उत्साही लगने लगा। उठो जवान देश की वसुन्धरा पुकारती,देश है पुकारता पुकारती माँ भारती गीत के साथ भगवा साड़ी और हाथों में ध्वज लिये बहने किसी वीरांगना और धर्म ध्वज वाहक की तरह दिखाई दे रहीं थीं। सभी बहने नगर भ्रमण कर एक दूसरे को शुभकामनाएं देकर माथे पर तिलक लगाकर नवरात्र तैयारी में लग गई।नवरात्र पर इस व्यस्तता के बीच बहनो का सुबह पहुंचकर नववर्ष आयोजन का कार्यक्रम सबका दिल जीत ले गया। नगर में बहनो की भूरि भूरि प्रशंसा हो रहीं है। कार्यक्रम को सफ़ल बनाने में मात्र शक्ति संगठन,राष्ट्र सेविका समिति,केशरिया हिन्दू वाहिनि,मोदी स्पोटर्स टीम की बहने शामिल रहीं।

केवलारी विधायक रजनीश सिंह ने जिला पुलिस पेंशनर्स संघ कार्यालय का किया शुभारंभ

31 मार्च 2025 सोमवार को केवलारी विधायक ठा.रजनीश हरवंश सिंह ने पुलिस कॉलोनी सिमारिया (सिवनी) में मध्य प्रदेश पुलिस पेंशनर्स संघ जिला इकाई सिवनी के नवीनतम कार्यालय के शुभारंभ के अवसर पर सम्मिलित होकर फीता काटकर कार्यालय का शुभारंभ किया।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

कार्यक्रम के आयोजन में सर्वप्रथम विधायक ठा.रजनीश हरवंश सिंह ने प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश जी का पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात पुलिस पेंशनर्स संघ के सदस्यों के द्वारा विधायक रजनीश हरवंश सिंह जी का साल श्रीफल एवं पुष्प माला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया।तदोपरांत विधायक ठा. रजनीश हरवंश सिंह जी ने उपस्थित मध्य प्रदेश पुलिस पेंशनर्स संघ जिला इकाई सिवनी के सदस्यों को संबोधित कर शुभकामनाएँ प्रेषित किया।

केवलारी विधायक ठा. रजनीश हरवंश सिंह की अध्यक्षता में क्षत्रिय कुलभूषण श्री महाराणा प्रताप जी की मूर्ति अनावरण कार्यक्रम संपन्न हुआ

आज दिनांक 29 मार्च 2025 को केवलारी विधायक ठा.रजनीश हरवंश सिंह जी की अध्यक्षता में एवं कैबिनेट मंत्री मध्य प्रदेश शासन माननीय श्री गोविंद सिंह राजपूत जी एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधायक राघोगढ़ जयवर्धन दिग्विजय सिंह जी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद मंडला माननीय श्री फग्गन सिंह कुलस्ते जी के मुख्यातिथ्य में छपारा नगर के हृदय स्थल बस स्टैंड में क्षत्रिय कुलभूषण वीर शिरोमणि श्री महाराणा प्रताप जी की आदमकद भव्य प्रतिमा का अनावरण कार्यक्रम संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के आयोजन में पुलिस पेंशनर्स संघ जिलाध्यक्ष महेंद्र सिंह मिश्रा सेवानिवृत्त उपनिरीक्षक, कार्यवाहक अध्यक्ष दिलीप डहरवार,मार्गदर्शन गंगाराम चन्द्रवंशी, मंगल सिंह धुर्वे, कानूनी सलाहकार गोपाल प्रसाद सनोडिया, मोहन सिंह पटेल, ब्रजकिशोर बाबरिया, लेखराम सिंह, युधिष्ठिर अवस्थी, नंदलाल चौकसे, रमेश मिश्रा, रमेश मानेश्वर, कन्हैया नाविक, रमाकान्त ठाकुर, जमना प्रसाद दुबे, शंकर लाल वर्मा, हीरामन तिवारी समेत समस्त संघ के सदस्य गणों की उपस्थिति रही।

हिंदू नव वर्ष के अवसर पर निकाली गई चुनरी यात्रा

शोभायात्रा में शामिल हुए भारी संख्या में भक्तजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

बरघाट -चेत्र शुक्ल वर्ष प्रतिपदा, हिंदू नव वर्ष के अवसर पर नगर में समस्त नगर वासियों के सहयोग से हनुमान मंदिर मुंडापार में पूजन अर्चन के बाद चुनरी यात्रा एवं शोभायात्रा निकाली गई जिसमें भारी संख्या में धर्म प्रेमी बंधुओ, मातृशक्तियों एवं युवा साथियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

मुंडापार से प्रारंभ हुई शोभा यात्रा के साथ-साथ भगवान श्री राम, लक्ष्मण, माता सीता एवं हनुमान जी की झांकियां सहित अनेक झांकियां भी निकाली गई जो जन आकर्षकण का केंद्र रही। डीजे साउंड एवं धमाल बैंड बाजो के साथ भक्तजन पूरी शोभा यात्रा के दौरान भक्ति में झूमते हुए नजर आए ।शोभायात्रा में जय जय श्री राम ,जय माता दी के नारों से नगर गूंजायमान रहा।

रात्रि 8 बजे शोभायात्रा नगर देवी मंदिर पहुंची ,जहां माताजी का पूजन अर्चन कर चुनरी चढ़ाई गई एवं आरती के पश्चात महाप्रसाद का वितरण किया गया ।

इस भव्य शोभायात्रा में क्षेत्र के विधायक कमल मर्सकोले, प्रांत धर्म रक्षा प्रमुख दिग्विजय सिंह राजपूत, पूर्व कलेक्टर डॉ श्याम सिंह कुमरे,युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती ईमरता साहू , गणमान्य नागरिक गणों,धार्मिक, सामाजिक, संस्थाओं सहित सभी दलों के पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

देवी मंदिर पहुंच माता को चढ़ाई गई चुनरी

कंडक्टर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

सिवनी जिले के केवलारी में एक ट्रक कंडक्टर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बगलई ग्राम के बजरंग कॉलोनी में रेत के ढेर से आ रही दुर्गंध की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। मृतक सतीश बघेल (38) बगलई का रहने वाला था।

वह राजेश पटेल के ट्रक में कंडक्टर का काम करता था। तीन दिन से लापता था कंडक्टर परिजनों ने बताया कि सतीश 28 मार्च को काम पर गया था। इसके बाद से वह लापता था।

सूचना मिलते ही एसडीओपी आशीष भराडे और थाना प्रभारी ब्रजेश उइके टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को रेत के ढेर से निकलवाया। पंचनामा की कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल भेजा गया।पुलिस बोली- मौत का कारण स्पष्ट नहीं थाना प्रभारी ब्रजेश उइके ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है।

मृत्यु का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस मृतक के संबंध में पूछताछ कर रही है। रेत बेचने वाले से भी इस संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल पाएगा।

अमन, चैन व शांति की मांगी गई दुआयें

ईदःअपने रब की इबादत में एक साथ झुके हजारों सिर

जिला मुख्यालय सिवनी सहित ग्रामीण अंचलों में गुरूवार को ईदुल फितर का त्यौहार शांति व सद्भाव के साथ मनाया गया। सुबह से ही नन्हें मुन्ने बच्चे, नौजवान व बुर्जुग ईद की नमाज अदा करने के लिए मस्जिद व ईदगाह की ओर अपने घरों से निकल पड़े।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

नगर के बड़ी ज्यारत स्थित ईदगाह में सुबह 8.30 बजे ईदुर फितर की नमाज अदा की गई, शहर काजी मौलाना अनीश अंसारी ने अपने बयान में बताया कि रोजेदार के लिए ईद इनाम का दिन है, इस दिन अल्लाह अपने बंदों को माह रमजान का ईनाम अता फरमाता है। ईदगाह में नमाज अदा होने के पश्चात अमन चैन व शांति की दुआएं मांगी गई। वही दुआ के बाद एक दूसरे को गले मिल ईद की मुबारकबाद दी गई।

मुख्यालय सिवनी में बडी ईदगाह के अलावा घसीयारी मोहल्ला ईदगाह, मस्जिद गरीब नवाज, मस्जिद फैजानेरजा, मस्जिद सूफिया, मस्जिद फैजगंज, पिंजारी मोहल्ला, मस्जिद नूरअंबिया बस स्टैंड, मस्जिद गौसिया एकता कालौनी एवं बुधवारी जीएन रोड स्थित मस्जिद ईदगाह में बड़ी संख्या में मुस्लिम धर्मावलंबियों ने पहुंचकर सुबह 7.00 बजे से लेकर 9.30 बजे तक अलग-अलग समय में नमाज अदा की गई। इस दौरान एक साथ हजारों लोगों ने अपने रब की बारगाह में सजदा कर उसकी इबादत की। जिले के विकासखंड मुख्यालय छपारा, लखनादौन, केवलारी, धनौरा, बरघाट, घंसौर, कुरई सहित ग्रामीण अंचलों में स्थित ईदगाह एवं मस्जिदों में भी ईदुल फितर की नमाज शांति व सद्भाव के साथ अदा की गई। ईदुल फितर त्यौहार के लिए सुरक्षा के दृष्टि से पुलिस प्रशासन द्वारा चाक-चौबंद व्यवस्था की गई थी, जहां सभी ईदगाह व मस्जिदों में बल तैनात रहा।

साफ-सफाई का रखा ख्याल

ईदुल्ल फितर की नमाज के पूर्व ही नगर पालिका प्रशासन द्वारा नगर के ईदगाह सहित सभी मस्जिदों के आसपास विशेष रूप से साफ-सफाई की गई थी, जहां ईद की नमाज अदा करने आने वाले लोगों को किसी भी तरह की परेशानी न हो, इसका भी ख्याल रखा गया।

छपारा में गले मिलकर दी ईद की मुबारकबाद

छपारा। पवित्र माह रमजान के 30 रोजे रखने के बाद मुस्लिम धर्मलंबियों ने हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। छपारा सहित क्षेत्र में ईद का त्योहार मस्जिद और ईदगाह में ईद की नमाज अदा की गई, इसके बाद यहां मुल्क के अमन चैन को लेकर नमाज के बाद दुआ भी की गई, इस दौरान लोगों ने एक दूसरे को गले मिलकर ईद के मौके पर मुबारकबाद भी दिया है

हर्षोल्लास से मनाई ईद , नगर परिषद अध्यक्ष ने दी बधाई

बरघाट। सोमवार सुबह ईदगाह में नवाज अदायगी के बाद मुस्लिम धर्मावलंबियों ने एक दूसरे को गले लगकर ईद की बधाई दी। नगर परिषद बरघाट अध्यक्ष इमरता साहू ने ईदगाह पहुंचकर मुस्लिम भाइयों को ईद की बधाई दी।

नगर में ईद का त्यौहार बड़े ही शानो शौकत से मनाया गया। ईद की खुशी में शामिल होने ग्रामीण इलाको में भी चहल पहल दिखाई दी मस्जिदों, ईदगाहों में नवाज अदायगी की गई खुशी के इस त्यौहार को सभी मिलजुल सौहार्द पूर्ण मनाया। इस मौके पर नगर परिषद पूर्व अध्यक्ष अनिल सिंह ठाकुर भाजपा नेता अनिल पाठक, नवीन नागभिरे अन्य लोग बड़ी संख्या पर उपस्थित रहे।

सिवनी पुलिस ने की कांबिंग गश्त

60 वारंटी को गिरफ्तार कर 94 निगरानी, गुंडा बदमाश चेक किया

ईद पर्व को देखते हुए जिले भर की पुलिस ने नाइट में गश्ती की और 60 वारंटी को गिरफ्तार कर 94 निगरानी- गुंडा बदमाश को चेक किया।साथ ही ढाबा,लाज,धार्मिक स्थलों में 300 से अधिक संदिग्द वाहनों की चेकिंग की।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

कोतवाली थाना प्रभारी सतीश कुमार तिवारी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक सिवनी सुनील मेहता के द्वारा मध्य रात्रि में जिले के समस्त थाना चौकी में वारंटियों तथा फरार अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु नाईट काम्बिंग ऑपरेशन आदेशित किये जाने पर आदेश के परिपालन में रात्रि 12 बजे से प्रातः 5 बजे तक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिवनी जी.डी. शर्मा के नेतृत्व में समस्त थाना/चौकी प्रभारी शहर एवं देहात द्वारा स्टाफ के कॉम्बिग गस्त की गयी,जिसके सार्थक परिणाम निकले।

कोतवाली थाना प्रभारी ने यह भी बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में प्रभावी नाइट कांबिंग गश्त हेतु पुलिस बल को ब्रीफ कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए थे जिसके बाद रात्रि कांबिंग गश्त में सभी थाना प्रभारी/चौकी प्रभारी सहित 119 का पुलिस बल कांबिंग गश्त में शामिल रहा।

रात्रि कांबिंग गश्त के दौरान जिले में 15 स्थाई वारंट, 45 गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए, इसके साथ ही 94 निगरानी बदमाश/गुंडा बदमाश/ सस्पेक्ट को चेक किया गया।साथ ही होटल, ढाबा, लाज,धार्मिक स्थलों एवं 300 से अधिक संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की गई।साथ ही आज ईद पर्व को दृष्टिगत रखते हुए थाना कोतवाली क्षेत्रातंर्गत रहने वाले गौवंश के आरोपियो की गई चैंकिग जिसके चलते थाना कोतवाली क्षेत्रातंर्गत रहने वाले गौवंश के पूर्व अभ्यस्त आरोपियों की वर्तमान स्थिति एवं अन्य किसी अपराध में संलिप्ता की संभावना को देखते हुए गौवंश के 10 से अधिक आरोपियो की चैंकिग कार्यवाही की गई।गौवंश से संबंधित आरोपियो को थाना बुलवाकर उनके व्यवसाय के संबंध में जानकारी ली गई। परिचितो की जानकारी ली गई। उनके फोटो ग्राफ लिये गये एवं इस प्रकार के अपराध की पुनरावृत्ति न करने की समझाइश दी गई।

क्षेत्र में धूमधाम से मनाई गई ईद

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

इस्लाम धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक ईद-उल-फितर का त्योहार देश-दुनिया के साथ ही सोमवार को समूचे कटंगी क्षेत्र में बेहद धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया. ईद के मुबारक मौके पर कटंगी, तिरोड़ी, बोनकट्टा, महकेपार, जराहमोहगांव के ईदगाह में सभी मुस्लिम भाईयों ने एकजुट होकर सुबह करीब 09 बजे ईद की नमाज अदा की. इस दौरान हजारों हाथों ने अल्लाह से देश में अमन, भाईचारे और एकता की दुआ मांगी. नमाज के बाद सभी मुस्लिम भाईयों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की बधाइयां दी. नगर के ईदगाह में एसडीएम मधुवंत राव धुर्वे, तहसीलदार सुरेश उपाध्यक्ष, नायब तहसीलदार महेश सोलंकी, थाना प्रभारी गहलोद सेमलिया और पटवारियों ने सभी मुस्लिम भाइयों को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी. हनफिया सुन्नी जामा मस्जिद के सदर नवाब खान ने सभी मुस्लिम भाईयों को ईद की मुबारकबाद दी. बता दें ईद का त्योहार आपसी भाईचारे, दान और खुशियों का प्रतीक है. यह त्योहार रमजान के पूरे महीने रोजा रखने के बाद आता है, जो संयम, इबादत और आत्मशुद्धि का महीना होता है.

मुस्लिम समाज के लिए ईद सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि रमजान के पूरे महीने की इबादत और सब्र का इनाम है. ऐसा माना जाता है कि पहली बार ईद 624 ईस्वी में मनाई गई थी, जब पैगंबर हजरत मुहम्मद ने बद्र की लड़ाई में जीत हासिल की थी. उन्होंने इस खुशी में लोगों का मुंह मीठा करवाया था. तब से यह परंपरा शुरू हुई और हर साल ईद-उल-फितर मनाई जाने लगी. मुस्लिम समाज के लोगों ने एक माह तक रोजे रखकर इबादत की और रविवार की शाम ईद का चांद दिखाई देने के बाद सोमवार को ईद का पर्व मनाया गया. रमजान का महीना इस्लामिक कैलेंडर का नौवां महीना होता है. इस महीने के दौरान मुसलमान सूर्योदय से पहले

सहरी करते हैं, फिर दिनभर भूखे-प्यासे रहकर इबादत में अपना वक्त बिताते है. वहीं शाम के वक्त सूर्यास्त के बाद इफ्तार के समय अपना रोजा खोलते हैं. यह समय आत्मा की शुद्धि, संयम और अल्लाह से नजदीकी प्राप्ति का होता है. इस दौरान किसी भी प्रकार की बुरी आदतों से बचने का प्रयास किया जाता है. इस दौरान किए गए इबादत और अच्छे कार्यों के कारण इस्लाम में माना जाता है कि मुसलमानों के छोटे-छोटे गुनाह माफ हो जाते हैं. यहीं कारण है कि छोटे बच्चों से लेकर वृद्धजनों तक रोजा रखते है. ईद के दिन सभी मुस्लिम भाई एक-दूसरे के घर जाकर पर्व की मुबारकबाद देते है.

ईद उल-फितर के खास मौके पर मुस्लिम भाईयों के घरों में मीठे पकवान तैयार किए गए. इसे 'मीठी ईद' भी कहा जाता है, क्योंकि इस दिन विशेष रूप से मिठाइयों का आदान-प्रदान किया जाता है और परिवारों के बीच खुशी का माहौल रहता है. मुस्लिम भाइयों ने अपने-अपने घरों में मीठी सेवइयां बनाई. जिसका पूरे परिवार और आड़-पड़ोस के लोगों ने मिलकर लुत्फ उठाया.

बोद्धाचार्य समाज एवं संस्था के पी.आर.ओ है-अशोक केदारे मुंबई

दि बुद्धिस्ट सोसायटी आफ इंडिया द्वारा आयोजित बोद्धाचार्य परीक्षा सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

भारतीय बौद्ध समाज के संस्कारों में एक रूपता लाने तथा संस्था दि बुद्धिस्ट सोसायटी आफ इंडिया के माध्यम से बौद्ध धम्म का कारवां, निरंतर गतिमान करने का कार्य निरंतर गतिमान हो रहा है। इसी क्रम में केन्द्रिय कार्यालय मुंबई के निर्देशानुसार बौद्धाचार्य प्रमाण-पत्र परीक्षा का आयोजन पूरे भारत देश के साथ जिला बालाघाट के वारासिवनी संस्था के कार्यालय तक्षशीला वाचनालय शंकर नगर में दिनांक 30/03/2025 को सम्पन्न हुआ। बालाघाट जिले में पहली बार परीक्षा केन्द्र आवंटित हुआ है। यह बोद्धाचार्य परीक्षा मुंबई केन्द्रीय कार्यालय के निर्देशानुसार अशोक केदारे राष्टीय कार्यालय सचिव एवं महाराष्ट राज्य के महामंत्री मुंबई को केन्द्राध्यक्ष एवं मुख्यातिथि, म.प्र. राज्य शाखा दक्षिण अध्यक्ष एवं केन्द्रिय शिक्षक डा. चरनदास ढेंगरे की उप केन्द्राध्यक्ष, वही परीक्षा के परीक्षक के रूप में आयुनि. हेमलता डोंगरे प्रदेश उपाध्यक्ष व केन्द्रीय शिक्षिका, आयुनि. साधना ढेंगरे

केन्द्रिय शिक्षिका एवं डिवीजन आफीसर समता सैनिक दल, मंजू सुर्यवंशी केंद्रीयशिक्षिका एवं जिला उपाध्यक्ष बालाघाट, आर.डी.बंसोड तहसील अध्यक्ष वारासिवनी के नेतृत्व में सम्पन्न हुई। जिसमें वारासिवनी के महामंत्री अभिराज मेश्राम, उपा. धमेन्द्र घोडेसवार, नगर महामंत्री मनोज भालाधरे,तह सचिव उत्तम मेश्राम एवं पूरी टीम द्वारा संपूर्ण सहयोग किया गया। पहले सत्र में 75 अंक की लिखित परीक्षा एवं दूसरे सत्र में 25 अंक की मौखिक एवं प्रायोगिक परीक्षा जिसमें बौद्ध धम्म की पूजा पद्धति,बौद्धो के सन एवं मंगल दिन,क्या करना और क्या नही करना, दि बुद्धिस्ट सोसायटी आफ इंडिया, समता सैनिक दल, संस्था के अभी तक के राष्टीय अध्यक्ष, धम्म के संस्कार आदि के बारे में प्रश्न पूछे गये। अंतिम सत्र में केन्द्राध्यक्ष एवं मुख्य अतिथि अशोक केदारे जी ने बताया कि बौद्धाचार्य यह समाज एवं संस्था के पी.आर.ओ. अर्थात जनसंपर्क अधिकारी होते है। बोद्धाचार्य ने केवल विधिकर्ता ना बनकर संस्था के धम्म प्रचारक बनना चाहिए।,आगे सभी ने केन्द्रिय शिक्षक बनकर बहुभाषी बनकर धम्म का प्रबोधन करना चाहिए। वही समारोह के उपकेन्द्राध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. चरनदास ढेंगरे ने बताया कि संस्था के उद्देश्यो की पूर्ति करने की महत्वपूर्ण कडी बौद्धाचार्य (संस्कारकर्ता) होते है। इन्होने आगे समाज में जाकर संस्कार करने के साथ ही महापुरूषों की विचार धारा से समाज को अवगत कराना होगा। इस परीक्षा में परीक्षार्थी के रूप में जिले से आर.के.कठाने प्रदेश सचिव, राजकपुर कामडे प्रदेश कार्यालय सचिव, खुशीयाल मेश्राम जिला उपा., हरिचंद गौरकर तहसील उपाध्यक्ष किरनापुर, रामदास ठवकर बामसेफ कार्यकर्ता, किशोर मेश्राम एवं नरेन्द्र भिवगडे सक्रिय सदस्य रामपायली, जितेन्द्र हिरकने तहसील सचिव वारासिवनी, प्रणय मेश्राम बालाघाट, धनराज खोब्रागढे बेहरई, राहुल बोरकर किरनापुर, नितेश गजभिये एवं अन्य साथियों ने परीक्षा में भाग लिया।केंद्रीय कार्यालय मुंबई के निर्देशानुसार इस परीक्षा में केवल उन्हीं परीक्षार्थियों को भाग लेने का अवसर मिला जिन्होंने पूर्व में संस्था के श्रामनेर शिविर में भाग लिया था,अंतिम संत्र में वारासिवनी तहसील द्वारा की अनुशंसा पर तहसील वारासिवनी के सचिव पद पर संस्था सक्रिय सदस्य कु. वर्षा घोडेसवार की नियुक्ति की गई। संस्था के कार्यालय तक्षशीला वाचनालय के लिये संस्था के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. चरनदास ढेंगरे जी ने 25 कुर्सीयां दान देने की घोषणा की। इस कार्यक्रम को सुचारू रूप से सम्पन्न करने हेतु संस्था के,रघुवीर मेश्राम, राजेन्द्र बंसोड, तक्षशीला वाचनालय के लिये भूमि दानदाता, यमुना ताई तिरपुडे, अंजु घोडेसवार, शोभाताई बंसोड, पूनम ताई मेश्राम, कु.वर्षा घोडेसवार अरूणा मेश्राम, सेवकराम घोडेसवार, पदमा साखरे, नेमीचंद घोडेसवार, विजय लक्ष्मी ठोके, एम.आर. साखरे आदि का सहयोग रहा। उक्त जानकारी तहसील वारासिवनी महामंत्री अभिराज मेश्राम द्वारा दी गई

ढूटी बाँध के दरवाजों को खोलने के लिए व्हील को घुमाते हुए विधायक व अन्य

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

विधायक विवेक पटेल ने अधिकारियों के साथ ढूटी बांध का खोला गेट

था और जल्द ही सिंचाई के लिए पानी देने की मांग की थी। जिसके बाद कलेक्टर मृणाल मीणा ने अधिकारियों के साथ बैठक कर किसानों को जल्द से जल्द सिंचाई

उन्हें सिंचाई के लिए पानी नहीं मिलने के कारण फसल सूखने की कगार पर हैं। जिसके बाद मेरे द्वारा किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाने के लिए विभाग के संबंधित

किसानों के खेतों में अंतिम छोर तक पानी पहुंचाना मेरी पहली प्राथमिकता-विवेक पटेल किसानों की पानी की समस्या का होगा समाधान वारासिवनी। रबी की फसलों में सिंचाई के लिए पानी की मांग को लेकर पिछले कुछ दिनों से क्षेत्रों के किसान लगातार आंदोलन कर रहे थे। उनका कहना था कि यदि जल्द ही रबी की फसलों को पानी नहीं मिलेगा, तो फसल पूरी तरह से नष्ट हो जाएगी, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाने के साथ-साथ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। विधानसभा में उठाई थी किसानों की पानी की समस्य किसानों की बातों को गंभीरता से लेते हुए विधायक विवेक विक्की

पटेल ने विधानसभा सत्र के दौरान भी किसानों की मांग को विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष रखा के लिए पानी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। अधिकारियों के साथ ढूटी बांध पहुंच कर विधायक विवेक पटेल ने खोला गेट

जिसके बाद अधिकारियों ने ढूटी बॉध से नहरों के माध्यम से

किसानों के खेतों तक पानी पहुॅचाने का निर्णय लिया और ढूटी बॉध के दरवाजों को खोलने के लिए विधायक विवेक विक्की पटेल रविवार को विभाग के संबंधित अधिकारियों के साथ ढूटी बांध पहुंचे। वहां की स्थिति का जायजा

लेने के बाद अधिकारियों के साथ मिलकर विधायक विवेक विक्की पटेल की उपस्थिति में बांध का गेट खोला गया। रविवार रात तक किसानों के खेतों तक पहुंच जाएगा पानी विधायक विवेक विक्की पटेल ने बताया कि क्षेत्र के किसानों ने खेतों में रबी की फसलें लगाई है और पिछले कुछ दिनों से

अधिकारियों से बात की जा रही थी। भीमगढ़ बांध से एक हजार क्यूसेक पानी ढूॅटी बांध के लिए छोड़ा गया था और ढूॅटी बांध में पानी आने के बाद बॉध के दरवाजों को आज खोला गया हैं। रविवार रात तक किसानों के खेतों तक पानी पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि मेरी पहली प्राथमिकता नहरों के माध्यम से किसानों के खेतों में अंतिम छोर तक पानी पहुंचाना है।

यह रहे उपस्थित

इस दौरान कार्यपालन यंत्री वाय एस ठाकुर, एसडीओ कोमल गजभिये,

जनपद सदस्य/ ब्लॉक कांग्रेस डोंगरमाली अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह जीतू

राजपूत, ब्लॉक कांग्रेस खैरलॉजी अध्यक्ष गोकुल प्रसाद गौतम, भागचंद पटले

सहित ग्रामीणजन मौजूद रहे।

सांसद प्रतिनिधी हीराचंद आसटकर ने की ठेकेदार को ब्लैक लिस्टेड कर कार्यवाही की मांग

वनविभाग की मिली भगत से हो रहा बोदादलखा से धीरी मुरूम पहुंच मार्ग का निर्माण

हरिभूमि न्यूज लांजी।

लांजी। क्षेत्र के वनांचल ग्राम बोदादलखा से धीरी पहुंच मार्ग का निर्माण प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से किया जा रहा है जिसका ठेका शासन द्वारा छत्तीसगढ़ के मेसर्स चित्रकूट कंस्ट्रक्शन को दिया गया है। परंतु उक्त मार्ग निर्माण में ठेकेदार द्वारा जंगलों में अवैध उत्खनन एवं खुदाई में हरे भरे वृक्षों को नष्ट कर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने का कार्य किये जाने का आरोप सांसद

प्रतिनिधी एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य हीराचंद आसटकर ने प्रेस वार्ता में लगाया है। उन्होने इस कार्य में वनविभाग के अधिकारियों पर ठेकेदार से मिली भगत का भी आरोप लगाया है। प्रेसवार्ता में श्री आसटकर ने बताया की उपमंडल दक्षिण सामान्य के वन परिक्षेत्र पूर्व सामान्य के अंतर्गत ग्राम धीरी मुरुम में मेसर्स चित्रकूट कस्ट्रक्शन दुर्ग छग के ठेकेदार द्वारा बोदादलखा से धीरी मुरुम लंबाई 18.50 किमी में प्रधानमंत्री ग्गाम सड़क योजना के अंतर्गत सडक निर्माण का ठेका लिया गया है।

बिना अनुमति जेसीबी से हजारो घन मीटर मिट्टी मुरूम की खुदाई....

श्री आसटकर ने पत्रकारों को बताया की ठेकेदार व्दारा वन्न ग्राम धीरी मुरूम में वन क्षेत्र के अंदर जेसीबी मशीन लगाकर लगभग हजारो घन फुट मिटटी मुरुम खोदकर छोटे बड़े पहाड़ीनुमा स्थलों की खुदाई कर 10 चक्का डंपरो से लगभग 500-600 ट्रिम की खुदाई कर 3 किमी की सड़क पर परिवहन किया जाकर निर्माण किया गया है। जो नियम विरूद्ध है, जिसकी जानकारी वनविभाग को होने के बावजूद ठेकेदार के विरूद्ध कोई कार्यवाही नहीं करना वनविभाग की मिली भगत का प्रमाण है। श्री आसटकर ने कहा की इस संबंध में उन्होने उपवनमंडल अधिकारी लांजी को विगत 12 मार्च को ही शिकायत कर दी थी परंतु माह बीत जाने के बाद भी ठेकेदार के विरूद्ध कोई कार्यवाही नहीं की गई है। जिसके बाद श्री आसटकर द्वारा 29 मार्च को जिला मुख्यालय जाकर मुख्य वन संरक्षक वनवृत्त को इसकी शिकायत की है।

ठेकेदार के विरूद्ध कार्यवाही तथा कार्य पर रोक लगाने की मांग...

पूर्व जिपं सदस्य ने कहा की वन ग्राम धीरी मुरुम में मौका स्थल की जांच कर संबंधित ठेकेदार एवं वन विभाग के अधिकारी कर्मचारियों के विरुध्द उचित एवं वैधानिक कार्यवाही करायें एवं महाप्रबंधक मप्र गामीण सड़क विकास परियोजना कियान्वयन इकाई 1 बालाघाट के ठेकेदार का भुगतान रोके जाने की कार्यवाही की जायें। उन्होने कहा की वनविभाग द्वारा वनग्रामों में कभी कोई गरीब परिस्थति का व्यक्ति एक ट्रेक्टर रेत की चोरी कर अपने उपयोग में लेता है तो वनविभाग द्वारा मुखबिर की सूचना का हवाला देकर सख्त कार्यवाही की जाती है और मीडिया में वाहवाही लूटी जाती है परंतु चित्रकूट कंस्ट्रक्शन द्वारा इनकी खुदाई और पेड़ काट दिये गये परंतु वनविभाग के कानों मे जूं तक नहीं रेंगना चिंता का विषय है।

हजारों की संख्या में हरे भरे पेड़ कर दिये नष्ट.....

सांसद प्रतिनिधि ने तीखे स्वरों में चित्रकूट कंस्ट्रक्शन एवं वनविभाग को घेरते हुए कहा की उपरोक्त खुदाई कार्य से छोटे बड़े हरे भरे हजारों की संख्या में वृक्ष नष्ट कर वन अधिनियन का खुला उल्लंघन किया गया है। वहीं उपरोक्त कार्य कॉरिडोर के अंतर्गत आता है। जिसे वन विभाग से स्वीकृति प्राप्त नहीं होने पर भी ठेकेदार व्दारा नियम कानून की धज्जियां उड़ाकर लगभग 3 किमी. का कार्य किसके आदेश पर किया गया है? और क्या वन विभाग के सबंधित अधिकारियों के संरक्षण में ठेकेदार द्वारा कार्य किया गया है। यह भी जांच का गंभीर विषय है।राजकुमार गौरखेड़े, अशोक निकोसे, सहागूलाल भौतेकर की उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

बुध्दविहार एवं भिक्षु निवास का हुआ भूमिपूजन

दान की भूमि पर होगा बुद्ध विहार का निर्माण

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

वारासिवनी-बालाघाट के मध्य में आर.टी.ओ. आफिस के सामने डोंगरिया में गैलेक्सी टाऊनशिप के पास 31 मार्च दिन सोमवार को दान की भूमि पर भिक्षु संघ के द्वारा बुध्द विहार एवं भिक्षु निवास निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया । सर्वप्रथम बुध्द विहार और भिक्षु निवास के लिए भूमि दानदाता नवीन डहाटे, पंकज डोंगरे द्वारा भिक्षु संघ का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया । कार्यक्रम की श्रृंखला में भिक्षु संघ द्वारा भगवान बुध्द तथा बोधिसत्व डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के छायाचित्रों पर दीप प्रज्जवलित कर माल्यार्पण किया गया । उसके पश्चात भिक्षु संघ ने उपस्थित उपासक-उपासिकाओं को त्रिशरण पंचशील ग्रहण कराया गया । पूज्य भन्ते श्रध्दाबोधी जी ने बताया कि भिक्षु संघ को दान की गयी भूमि का क्षेत्रफल 1000 वर्ग फीट है जिसमें बुध्द विहार निर्माण एवं भिक्षु निवास निर्माण होना है । बुध्द विहार के निर्माण होने से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में ध्यान और धम्म का प्रचार प्रसार होगा । इस बुध्द विहार में भिक्षु निवास का निर्माण होने से बाहर

से आने वाले पूज्यनीय भिक्षु संघ जो धम्म के प्रचार प्रसार के लिए बालाघाट जिले में आवागमन करते रहते हैं उनके ठहरने की उत्तम व्यवस्था होगी ।

भूमि दानदाता नवीन डहाटे एवं पंकज डोंगरे ने बताया कि इस बुध्द विहार के निर्माण का मूल उद्देश्य बुध्द की शिक्षा एवं सिध्दान्तों को जिले भर में प्रचार-प्रसार करने के लिए किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहे पूज्य भन्ते सेनापति जी एवं पूज्य भन्ते शीलरक्खिता जी, श्रामनेर सुगतबोधी जी एवं विपश्यना आचार्य अशोक खोब्रागड़े, विजय डहाटे, शिवशंकर डोंगरे, सुलोचना चैहान, अशोक फुलमारी, नीरज डोंगरे, प्रदीप कामड़े, राजकुमार वाघमारे, सुरेन्द्र खोब्रागड़े, डॉ. श्रीति बागड़े, ज्योति पटले, राजकुमार गौरखेड़े, अशोक निकोसे, सहागूलाल भौतेकर की उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

आज से स्कूल चलें हम अभियान अंतर्गत प्रवेशोत्सव कार्यक्रम प्रारम्भ

04 अप्रैल तक चलेगी गतिविधियां

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

शासन द्वारा स्कूल शिक्षा अभियान अंतर्गत प्रवेशोत्सव कार्यक्रम 2025 के आयोजन संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश जारी किये गए है। जिसके तहत प्रदेश के समस्त विद्यालयों में आज कक्षा 1 से 8 तक बाल सभा आयोजित की जाएगी। इसके अलावा जिला स्तर पर प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में सांसद, विधायक, शाला के पूर्व विद्यार्थियों व जनप्रतिनिधियों की सहभागिता के साथ उपस्थित छात्र छात्राओं को अतिथियों द्वारा निशुल्क पुस्तकें वितरण के साथ ही शालाओं में विशेष भोज भी आयोजित किया जाएगा। वही 02 अप्रैल को भविष्य से भेंट कार्यक्रम के तहत प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा शालाओं में बच्चों के साथ किसी एक कालखंड में संवाद किया जाएगा। इसके साथ ही 3 अप्रैल को विद्यालय स्तरीय सांस्कृतिक खेल कूद गतिविधियां व अंतिम दिन शाला प्रबंधन समिति एवं शाला प्रबंधन व विकास समिति की बैठक आयोजित की जाएगी और 4 अप्रैल को हार के आगे जीत कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।कामड़े, राजकुमार वाघमारे, सुरेन्द्र खोब्रागड़े, डॉ. श्रीति बागड़े, ज्योति पटले, राजकुमार गौरखेड़े, अशोक निकोसे, सहागूलाल भौतेकर की उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।